MPA

,e-,- ¼yksd Á’kklu½
,e-ih-,-

tqykbZ 2014 vkSj tuojh 2015 l= ds
l=h; dk;Z
¼,e-,- f}rh; o"kZ ds ikB;Øeksa ds fy,½

lkekftd foKku fo|kihB
bfnjk xka/kh jk"Vªh; eqDr fo’ofo|ky;
eSnku x<+h] ubZ fnYyh&110068-

,e-,- f}rh; o"kZ ¼ykd Á'kklu½

प्रिय छात्र/छात्राओ,

एम.ए. (लोक प्रशासन) कार्यक्रम की आवश्यकता के अनुसार, प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए आपको एक–एक अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करना होगा।

सत्रीय कार्यों को हल करने से पहले कृपया अलग से भेजी गई कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को सावधानी से पढ़ लें। यह महत्वपूर्ण है कि आप टी.एम.ए. के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपके उत्तर प्रत्येक प्रश्न के लिए निर्धारित की गई शब्द–सीमा के भीतर होने चाहिए। याद रखें, सत्रीय कार्य के प्रश्नों का उत्तर लिखने से आपकी लेखन शैली में सुधार होगा और ये आपको सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार करेंगे।

सत्रीय कार्यों को अपने अध्ययन केंद्र के संचालक के पास जमा कराएँ। जमा कराए गए सत्रीय कार्यों की अध्ययन केंद्र से रसीद अवश्य प्राप्त कर लें और उसे अपने पास संभाल कर रखें। अगर संभव हो तो सत्रीय कार्यों की एक फोटोप्रति भी अपने पास रखें।

सत्रीय कार्यों को मूल्यांकन के पश्चात अध्ययन केंद्र आपको वापस कर देगा। कृपया इस ओर विशेष ध्यान दें। अध्ययन केंद्र द्वारा अंकों को संबंधित क्षेत्रीय केंद्र को भेजना होता है और बाद में वे उन्हें विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली के पास भेजते हैं।

iLrqrhdj.k %

fVIi.kh % bl iqfLrdk esa ,e-,- f}rh; o"kZ esa miyC/k lHkh Ng ikB~;Øeksa ds l=h; dk;Z 'kkfey gSaA fdarq vkidks dsoy mUgha ikB~;Øeksa ds l=h; dk;Z djus gksaxs] ftUgsa vkius viuh f}rh; o"kZ esa fy;k gSA vkils vuqjks/k gS fd vki l=h; dk;ksZa dks fu/kkZfjr frfFk rd tek djk nsa rkfd vki l=kar ijh{kk ns ldsaA

सत्रीय कार्यों को पूरा करके निम्नलिखित समय–सारणी के अनुसार भेजें :

Lk=h; dk;Z la[;k	iLrqfr dh frfFk	fdls Hkstsa
एम.पी.ए–015, एम.पी.ए–016, एम.पी.ए–017, एम.पी.ए–018 एम.एस.ओ–002 और एम.पी.एस–003 का सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.)	Tkqykbz 2014 l= ds fy, 31 ekpZ 2015 Tkuojh 2015 l= ds fy, 30 flracj 2015	अपने निर्दिष्ट अध्ययन केंद्र के संचालक को

Lk=h; dk;Z djus ds funsZ'k

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य में दिए गए निर्देशों के अनुसार अपने उत्तर लिखेंगे। सत्रीय कार्यों के उत्तर लिखते समय कृपया निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें:

1) ;kstuk % सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। सत्रीय कार्य के प्रश्न जिन इकाइयों पर आधारित हैं, उन्हें ध्यान से पढ़िए। प्रत्येक उत्तर के बारे में महत्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

2) laxBu % अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले कुछ बेहतर को चुनने और विश्लेषण करने का प्रयास कीजिए। उत्तर की प्रस्तावना और समाहार पर विशेष ध्यान दें।

उत्तर लिखने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लें कि :

क) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत हो
ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध हो; और
ग) उत्तर आपके भाव, शैली और प्रस्तुति के आधार पर सही हों।

3) iLrqrhdj.k % जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर की स्वच्छ प्रति तैयार करें। mÙkj lkQ&lkQ vkSj viuh gLrfyfi esa gh fy[ksaA जिन बिंदुओं पर आप जोर देना चाहते हों, उन्हें रेखांकित कर दें। यह अवश्य सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तर निर्धारित शब्द–सीमा के भीतर ही हो।

शुभकामनाओं के साथ,

ik- b- ok;qunu vkSj ik- vydk /keZtk
dk;Øe la;kstd
,e-,- ¼ykd Á'kklu½

,e-ih-,&015 % ykd uhfr vkj fo'ys'k.k
v/;kid tkp Lk=h; dk;Z
¼Vh-,e-,-½

ikB;Øe dkM % ,e-ih-,&015
l=h; dk;Z dkM % ,-,l-,l-Vh@Vh-,e-,@2014&2015
vd % 100

bl l=h; dk;Z esa Hkkx&**I** vkSj Hkkx&**II** gSaA iR;sd Hkkx esa ikp Á'u gSaA vkidks dqy ikp Á'u djus gSa] fdUrq iR;sd Hkkx esa ls de ls de nks Á'u vo'; dhft,A iR;sd Á'u dk mÙkj yxHkx 500 'kCnksa esa nhft,A iR;sd Á'u 20 vadksa dk gSA

Hkkx&**I**

1. नीति चक्र के विभिन्न चरणों का विवेचन कीजिए।

2. अंतःसरकारी संबंधों को परिभाषित कीजिए और नीति–निर्माण में इसकी भूमिका की चर्चा कीजिए।

3. नीति–निर्माण में नागरिक समाज संगठनों की भूमिका का विवेचन कीजिए।

4. नीति–निर्माण में प्रधानमंत्री सलाहकार समितियों, परिषदों और आयोगों की भूमिका का विवेचन कीजिए।

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक पर कम से कम 250–250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

   (क) राष्ट्रीय विकास परिषद की भूमिका और गठन
   (ख) लोक नीति का महत्व

Hkkx&**II**

6. नीति कार्यान्वयन को परिभाषित कीजिए और नीतियों के कार्यान्वित करने में नौकरशाही की भूमिका की चर्चा कीजिए।

7. नीति मॉनीटरिंग के विभिन्न दृष्टिकोणों का संक्षेप में विश्लेषण कीजिए।

8. नीति मूल्यांकन की समस्याओं का विवेचन कीजिए।

9. नीति प्रभाव मापने के तरीकों की चर्चा कीजिए।

10. निम्नलिखित में से प्रत्येक पर कम से कम 250–250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

    (क) स्तरित और समूह (अथवा गुच्छ) नमूना चयन
    (ख) भविष्यसूचक/आदेशात्मक विश्लेषण

,e-ih-,&016 % fodsUnzhdj.k vkSj LFkkuh; 'kklu
v/;k;d tk¡p Lk=h; dk;Z
¼Vh-,e-,-½

ikB;Øe dksM % ,e-ih-,&016
l=h; dk;Z dksM % ,-,l-,l-Vh@Vh-,e-,@2014&2015
vad % 100

bl l=h; dk;Z esa Hkkx&**I** vkSj Hkkx&**II** gSaA izR;sd Hkkx esa ikp Á'u gSaA vkidks dqy ikp Á'u djus gSa] fdUrq izR;sd Hkkx esa l s de l s de nks Á'u vo'; dhft,A izR;sd Á'u dk mÙkj yxHkx 500 'kCnksa esa nhft,A izR;sd Á'u 20 vadksa dk gSA

Hkkx&I

1. लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण को परिभाषित कीजिए और भारत में इसके विकास की चर्चा कीजिए।

2. लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण के आर्थिक संदर्भ की चर्चा कीजिए।

3. संघ और राज्य सरकार के बीच भागीदारी के विभिन्न क्षेत्रों का विवेचन कीजिए।

4. स्थानीय शासन में प्रशासनिक विकेंद्रीकरण के मुद्दे की चर्चा कीजिए।

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक पर कम से कम 250–250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

   (क) सशक्तीकरण की अवधारणा
   (ख) भागीदारी : अच्छे शासन का स्वरूप (मॉडल)

Hkkx&II

6. भारत में शहरी स्थानीय शासन के विकास की चर्चा कीजिए।

7. लघु–स्तरीय आयोजना के महत्व और मुद्दों का वर्णन कीजिए।

8. ग्यारहवीं अनुसूची में शामिल अंतरा–स्तरीय उत्तरदायित्वों की व्याख्या कीजिए।

9. सतत विकास को परिभाषित कीजिए और सतत विकास तथा शासन के बीच अंतर्संबंध दर्शाइए।

10. निम्नलिखित में से प्रत्येक पर कम से कम 250–250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

    (क) जिला योजना समिति
    (ख) निर्वाचित कर्मियों का क्षमता–निर्माण

,e-ih-,&017 % byDVªkfud 'kklu
v/;kid tkp Lk=h; dk;Z
¼Vh-,e-,-½

ikB;Øe dksM % ,e-ih-,&017
l=h; dk;Z dksM % ,-,l-,l-Vh@Vh-,e-,@2014&2015
vad % 50

bl l=h; dk;Z esa Hkkx&**I** vkSj Hkkx&**II** gSaA izR;sd Hkkx esa ikap iz'u gSaA vkidks dqy ikap iz'u djus gSa] fdarq izR;sd Hkkx esa ls de ls de nks iz'u vo'; dhft,A izR;sd iz'u dk mÙkj yxHkx 400 'kCnksa esa nhft,A izR;sd iz'u 10 vadksa dk gSA

Hkkx&I

1. 'ई–गवर्नेंस के विभिन्न मॉडल हैं जो ई–गवर्नेंस प्रयासों की रूपरेखा तैयार करने में दिशा–निर्देशक के रूप में प्रयुक्त हो सकते हैं।' चर्चा कीजिए।

2. सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के विभिन्न घटकों का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

3. 'सार्वजनिक संगठनों में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी कार्यान्वयन के लिए प्रशासनिक संस्कृति को संगत होने की जरूरत है।' टिप्पणी कीजिए।

4. कृषि विकास में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी की भूमिका पर प्रकाश डालिए।

5. सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के स्थानिक अनुप्रयोग के रूप में भौगोलिक सूचना प्रणाली की व्याख्या कीजिए।

Hkkx&II

6. ई–अधिगम प्रणाली पर एक टिप्पणी लिखिए।

7. ई–कॉमर्स (ई–वाणिज्य) के लाभ और सीमाओं का उल्लेख कीजिए।

8. नागरिक सेवाओं के वितरण में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी की भूमिका पर प्रकाश डालिए।

9. शासन में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के प्रभावी कार्यान्वयन की चुनौतियों की संक्षेप में चर्चा कीजिए।

10. राष्ट्रीय ई–गवर्नेंस योजना पर एक टिप्पणी लिखिए।

,e-ih-,&018 % vkink Ácu/ku
v/;kid tkp Lk=h; dk;l
¼Vh-,e-,-½

ikB;Øe dkM % ,e-ih-,&018
l=h; dk;l dkM % ,-,l-,l-Vh@Vh-,e-,@2014&2015
vid % 50

bl l=h; dk;l e Hkkx&**I** vkj Hkkx&**II** gA iR;d Hkkx e ikp i'u gA vkidk dy ikp i'u dju g] fdrq iR;d Hkkx e l de l de nk i'u vo'; dhft,A iR;d i'u dk mÙkj yxHkx 400 'kCnk e nhft,A iR;d i'u 10 vidk dk gA

Hkkx&**I**

1. आपदा को परिभाषित कीजिए और पर्यावरण संबंधी विभिन्न विचारणीय मुद्दों की चर्चा कीजिए।
2. आपदा प्रबंधन में आधुनिकोत्तर (उत्तर–आधुनिक) प्रवृत्तियों की चर्चा कीजिए।
3. शहरी भूकंप संवेदनशीलता न्यूनीकरण परियोजना के प्रमुख उद्देश्यों की चर्चा कीजिए।
4. आपदा रोकथाम के लिए खतरा मानचित्रण की भूमिका पर प्रकाश डालिए।
5. समुदाय–आधारित आपदा प्रबंधन (सी.बी.डी.एम.) को परिभाषित कीजिए और इसकी आवश्यकताओं की चर्चा कीजिए।

Hkkx&**II**

6. खोज और बचाव पर एक टिप्पणी लिखिए।
7. 'आश्रय पुनर्वास का संबंध विभिन्न पक्षों से है।' चर्चा कीजिए।
8. राहत प्रशासन से संबंधित समस्याओं पर प्रकाश डालिए।
9. 'पुनःस्थानन और विकास के बीच अंतःसंबंध हैं।' चर्चा कीजिए।
10. आपदा प्रबंधक की भूमिका और कार्यों पर प्रकाश डालिए।

,eih,l&003 % Hkkjr % ykdr= ,o fodkl
l=h; dk;l
¼v/;kid tkp l=h; dk;½

पाठ्यक्रम कोडः एमपीएस-003
सत्रीय कार्य कोड : एएसएसटी / टीएमए / 2014-2015
पूर्णांकः 100

fdUgh ikp Á'uk d mÙkj yxHkx 500 'kCnk ¼ÁR;d½ e nhft,A ÁR;d Hkkx l de l de nk Á'uk d mÙkj nhft,A ÁR;d Á'u 20 vd dk gA

Hkkx & I

1. किस प्रकार से लोकतन्त्र और विकास एक–दूसरे से संबंधित है? चर्चा कीजिए।

2. निम्नलिखित का लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में आलोचनात्मक परीक्षण कीजिएः
   क) योजना का विचार
   ख) भारत में आर.पी.आईज. की मुख्य विशेषताएँ

3. क्या गरीबी केवल आय में वृद्धि करने से कम हो सकती है? चर्चा कीजिए।

4. लोकमत और सार्वजनिक नीतियों को आकार प्रदान करने के लिए मीडिया की भूमिका की चर्चा कीजिए।

5. भारत में लोकतंत्र के लिए नागरिक समाज के योगदान की चर्चा कीजिए।

Hkkx & II

6. निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में टिप्पणियाँ कीजिएः
   क) भारत में संघीय व्यवस्था का कार्यकलाप
   ख) भारतीय लोकतंत्र में जाति

7. निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ कीजिएः
   क) विकास और लिंग
   ख) भारत में क्षेत्रवाद का आधार

8. भारत में नृजातीयता की चुनौती पर राज्य प्रतिक्रिया की प्रकृति का विश्लेषण कीजिए।

9. निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में टिप्पणियाँ कीजिएः
   क) वास्तविक लोकतंत्र
   ख) नृजातीयता की अभिव्यक्ति

10. भारत में कामगार वर्ग पर नई आर्थिक नीति के प्रभाव का परीक्षण कीजिए।

bfnjk xka/kh jk"Vªh; eqDr fo’ofo|ky;
,e-,- lekt’kkL= esa vfuokZ; ikB~;Øe
,e-,l-vkj-&002 % ’kks/k dk;Zi)fr;ka ,oa fof/k;ka
v/;kid tkWp l=h; dk;Z ¼Vh-,e-,-½

dk;Øe dksM % ,e,lvks
ikB~;Øe dksM % ,e,lvkj&002
l=h; dk;Z dksM % ,e,lvkj&002@
l=h; dk;Z@Vh,e,@2014&15

dqy vad % 100

vf/kHkkfjrk % 30%

nksuksa Hkkxksa ls iz’uksa ds mÙkj nhft,A

Hkkx d

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिए।

1. ज्ञानमीमांसा से जुड़े कुछ मुख्य गंभीर मुद्दों की चर्चा कीजिए। 25

2. पद्धतिशास्त्र के दृष्टिकोण के रूप में प्रत्यक्षवाद के प्रति कॉम्त एवं दुर्खाइम के योगदानों की चर्चा कीजिए। 25

3. सामाजिक विज्ञान शोध में सर्वेक्षण विधि की प्रासंगिकता को रेखांकित कीजिए। 25

4. सामाजिक शोध के सांख्यिकीय साधनों के रूप में सहसंबंध एवं समाश्रयण के महत्व की चर्चा कीजिए। 25

5. तुलनात्मक विधि की महत्वपूर्ण विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 25

Hkkx [k

निम्नलिखित से से किसी एक विषयवस्तु पर लगभग 3000 शब्दों में शोध रिपोर्ट लिखिए।

6. सामाजिक विज्ञान शोध में सहभागितापरक विधि का प्रयोग 50

7. इलैक्ट्रॉनिक मीडिया में महिलाओं की छवि 50

8. जाति की समकालीन राजनीति में प्रासंगिकता 50

आप इस रिपोर्ट को साहित्य की समीक्षा या प्राथमिक स्रोतों से संग्रहित आँकड़ों के आधार पर लिख सकते हैं।

साहित्य की समीक्षा के लिए आपको, अपनी पसंद के चयनित विषय पर हाल ही में प्रकाशित दो पुस्तकों या चार शोध लेखों का चयन करना होगा। समीक्षा लेखन, अध्ययन की अवस्थिति और इन अध्ययनों में प्रयुक्त पद्धतिशास्त्र और इन अध्ययनों के मुख्य परिणामों को ध्यान में रखते हुए लिखें।

प्राथमिक स्रोत के लिए आपको दो केस अध्ययनों को एकत्र करना होगा और चयनित विषयवस्तु पर रिपोर्ट, तुलनात्मक ढाँचें में लिखें। रिपोर्ट लेखन के दौरान अध्ययन के उद्देश्यों और सम्मुख आने वाली समस्याओं को स्पष्ट रूप से व्यक्त करें और

- मुद्दे को वर्तमान/उपलब्ध साहित्य के दायरे में समस्यापरक बनाना;
- अपने प्रेक्षणों, निष्कर्षों एवं परिणामों को संसक्त रूप से व्यक्त करें, और
- अंत में उचित बिंदुओं का उल्लेख करें।